पाठ 19

हार नहीं होती

● संकलित

आइए, सीखें : जीवन में आत्म विश्वास, संघर्ष व साहस के भाव जाग्रत करना। ♦ मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग।

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती।

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है,
मन का विश्वास रगो में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है,
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती।

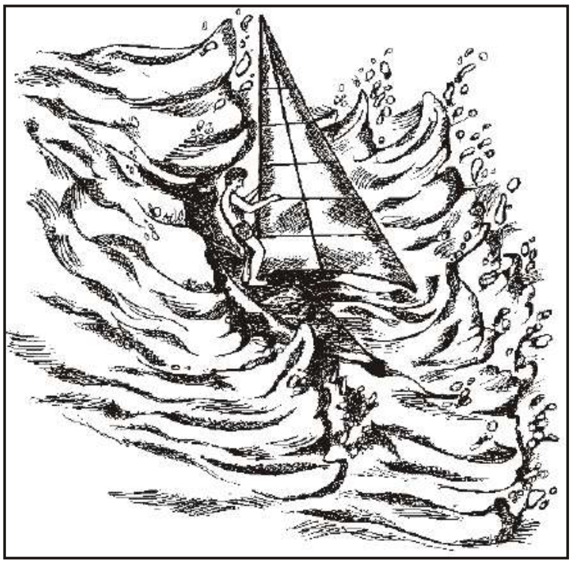

डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा-जाकर खाली हाथ लौट कर आता है।
मिलते न सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दूना उत्साह इसी हैरानी में,
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो,
क्या कमी रह गयी, देखो और सुधार करो,
जब तक न सफल हो, नींद चैन की त्यागो तुम,
संघर्षों का मैदान छोड़ मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

शिक्षण संकेत -

♦ उचित हाव-भाव व लय के साथ कविता का वाचन करें। ♦ आत्मविश्वास, साहस, शौर्य तथा संघर्ष की भावना जाग्रत करें। ♦ उच्चारण में मात्राओं संबंधी अशुद्धियों के संशोधन पर विशेष ध्यान दें।

नए शब्द

रगो में = नसों में । **अखराना** = खलना, बुरा लगना। **सिंधु** = समुद्र, सागर। **दूना** = दो गुना
चुनौती = ललकार । **संघर्ष** = मुकाबला ।

अनुभव विस्तार

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न–**

(क) सही जोड़ी बनाइए–

नौका	–	एक चुनौती है।
चींटी	–	लहरों से डरती नहीं
गोताखोर	–	सौ बार फिसलती है।
असफलता	–	सिंधु में डुबकियाँ लगाता है।

(ख) दिए गए विकल्पों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

(अ) नन्हीं चींटी जब ....लेकर चलती है। (खाना,दाना)

(ब) कोशिश करने वालों की ....नहीं होती। (हार, जीत)

(स) ....एक चुनौती है स्वीकार करो। (सफलता, असफलता)

(द) संघर्षों का मैदान ....मत भागो तुम। (छोड़, तोड़)

2. **अति लघु उत्तरीय प्रश्न –**

(अ) किसकी हार नहीं होती?

(ब) गहरे पानी में से खाली हाथ लौटने पर गोताखोर क्या करता है?

(स) कवि चैन की नींद त्यागने के लिए क्यों कह रहा है?

(द) असफलता को किस रूप में स्वीकार करना चाहिए?

3. **लघु उत्तरीय प्रश्न–**

(अ) कोशिश करते रहने की जीवन में क्या उपयोगिता है?

(ब) नन्हीं चींटी किस प्रकार संघर्ष करती है?

(स) असफलता मिलने पर हमें क्या करना चाहिए?

(द) गोताखोर समुद्र में बार-बार डुबकी क्यों लगाता है?

(ई) सफलता पाने के लिए हमें क्या काम करना चाहिए?

भाषा की बात-

1 **बोलिए और लिखिए-**

नौका, कोशिश, मैदान, विश्वास, सिंधु, हैरानी, संघर्षों, डुबकियाँ, असफलता

2 **निम्नलिखित शब्दों में 'ए' और 'ऐ' की मात्रा संबंधी अशुद्धियाँ है, उन्हें सही कीजिए-**

तेरता	-	तैरता
गहरै	-	....
हेरानी	-	....
चेन	-	....
सेनिक	-	....

■ **पढ़िए और समझिए -**

लम्बी घण्टी बजी विद्यालय की छुट्टी हो गई। सभी बच्चे घर चले गए। एक बच्चा रह गया था। वह उतरते हुए स्कूल की सीढ़ियों से गिर गया था। उसकी छोटी बहनें घर जाकर अपनी-अपनी गुड़ियों से खेलने में मस्त हो गई। उसका ध्यान किसी को नहीं रहा।

एक वचन से बहुवचन बनाने के लिए शब्दों में 'ओं,' 'याँ' 'एँ' 'ए' का प्रयोग किया जाता है यथा लड़की-लड़कियाँ, लड़का-लड़के, वस्तु-वस्तुएँ, केला-केले आदि।

कुछ संज्ञा शब्दों के एकवचन और बहुवचन रूप समान रहते हैं।
जैसे- भय, क्रोध, प्रेम अदि
कुछ शब्द हमेशा बहुवचन रूप में प्रयुक्त होते हैं-
जैसे- प्राण, केश, आँसू, होश, दर्शन, हस्ताक्षर आदि।

3 **निम्नलिखित शब्दों में से एक वचन तथा बहुवचन छाँटकर लिखिए-**

रंग, डुबकियाँ, संघर्षों, कपड़ा, गाय, कथाएँ, गुड़िया

4 **निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए-**

मुठ्ठी	–	मुट्ठी	मुट्ठी
नयी	–	नई	
बढ़ा	–	बढा	
हाथ	–	हाँथ	
चरन	–	चरण	
जनेऊ	–	जनेउ	
खिलौना	–	खिलोना	

5. **पढ़िए समझिए और उदाहरण के अनुसार लिखिए–**

फिसलती – फिसलना, फिसलता, फिसला

सिसकती – ....

लहराती – ....

अखरती – ....

6 **निम्नलिखित शब्दों में से शब्द और उनके विलोम शब्दों को छाँटकर जोड़ी बनाइए–**

हार, गिरना, असफलता, जीत, स्वीकार, सफलता, उठना, अस्वीकार, अविश्वास, भरा, विश्वास, खाली।

7 **'क' वर्ग में लिखित शब्द समूहों का सही अर्थ 'ख' वर्ग से छाँटकर सही जोड़ी बनाइए–**

क		ख
खाली हाथ लौटना	–	डरकर भाग–जाना
मैदान छोड़कर भागना	–	निश्चिंत होकर सोना
साहस भरना	–	यश मिलना
जय–जयकार होना	–	हिम्मत बढ़ाना
चैन की नींद सोना	–	निराश होना

8 **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

साहस, मेहनत, उत्साह, चुनौती, संघर्ष

अब करने की बारी

- अपने मित्रों या परिचितों के अनुभवों के आधार पर अथवा अन्यत्र से खोजकर सफलता शीर्षक पर एक कहानी लिखिए।
- अपने जीवन की किसी ऐसी घटना का वर्णन कीजिए जिसमें बार-बार प्रयत्न करने पर आपने सफलता या लक्ष्य-प्राप्ति की हो।